भारतीय वन सेवा परिवीक्षार्थियों (बैच 2020-22) का आफरी भ्रमण

दिनांक 24.9.2021 को इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी (IGNFA), देहरादून के 33 भारतीय वन सेवा परिवीक्षार्थियों (बैच 2020-22) के एक दल ने, कोर्स प्रभारी डॉ. शिवबाला, भा.व.से. के निर्देशन में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण कर अनुसंधान कार्यों की जानकारी ली।

विस्तार विभाग की प्रभागाध्यक्ष श्रीमती अनीता, आई.एफ.एस. के स्वागत संबोधन के बाद संस्थान के निदेशक श्री एम.आर. बालोच ने आफरी तथा भारतीय वानिकी अनुसंधान एंव शिक्षा परिषद के बारे में बताया। श्री बालोच ने परियोजनाओं के निर्माण एंव उनकी अंतिम स्वीकृति तथा लागू करने संबंधी विभिन्न स्तरों के बारें में जानकारी देते हुए आफरी द्वारा किये गये शोध एंव विकसित तकनीक को विभिन्न हितकारियों जैसे - वन विभाग, किसानों एंव स्वयं सेवी संगठनो तक पहुंचाने हेतु किये जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी गई।

डॉ. जी. सिंह, समूह समन्वयक (शोध) ने पावर पोइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जल सरंक्षण, वन संवर्धन, अनुवंशिकी, वन संरक्षण इत्यादि के बारें विस्तृत व्याख्यान दिया। सत्र के अंत में परिवीक्षार्थियों द्वारा पुछे गये विभिन्न प्रश्नों का समाधान निदेशक, एम. आर. बालोच, डॉ. जी. सिंह, डॉ. तरुणकान्त, डॉ. एम. टी. हेगड़े आदि वैज्ञानिकों ने किया।

भ्रमण कार्यक्रम में, आई.टी.सेल, श्री धानाराम, श्री अनिल सिंह चौहान, श्रीमती रेखा दाधीच, श्री अरिहंत लुणावत एवं श्री कैलाश चन्द्र शर्मा का सहयोग रहा।

Welcome

Sh. M. R. Baloch,IFS
Director, AFRI

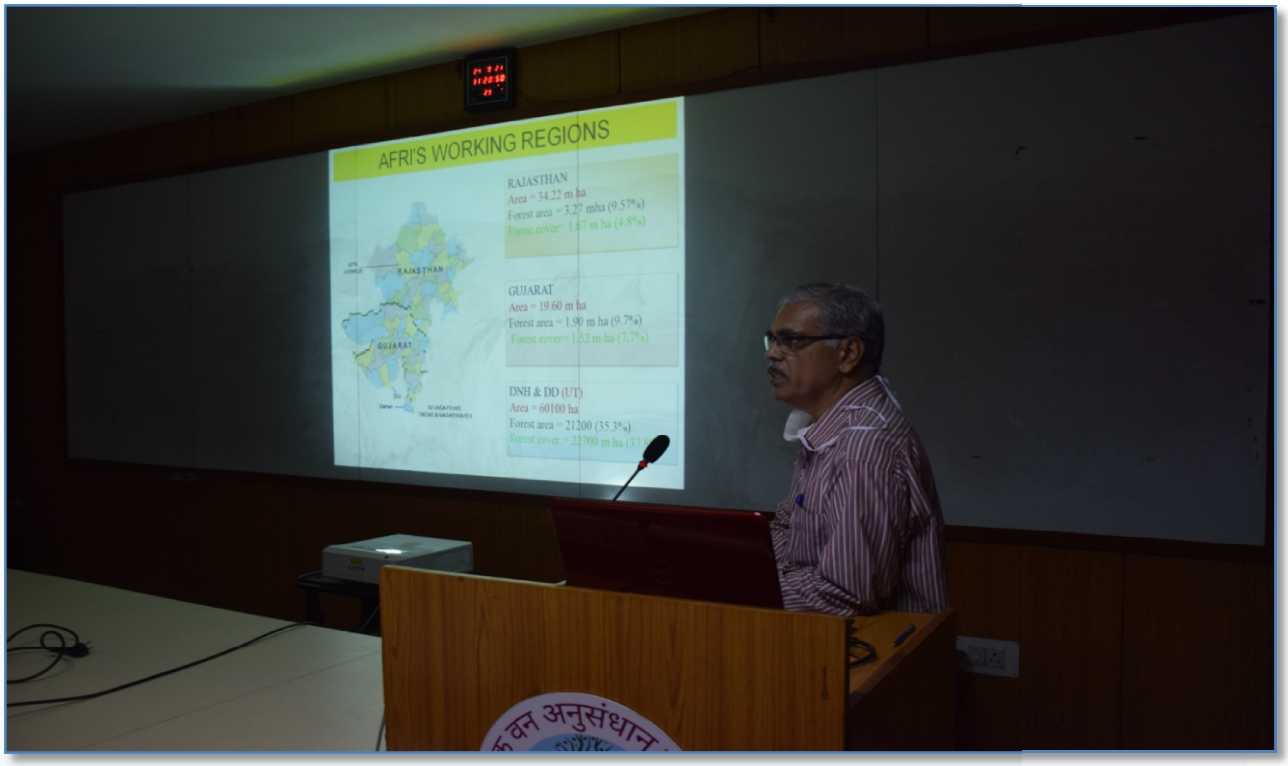
AFRI'S WORKING REGIONS
RAJASTHAN
Area = 34.22 m ha
Forest area = 3.27 mha (9.57%)
Forest cover= 1.67 m ha (4.8%)
GUJARAT
Area = 19.60 m ha
Forest area = 1.90 m ha (9.7%)
Forest cover= 1.52 m ha (7.7%)
DNH & DD (UT)
Area = 60100 ha
Forest area = 21200 (35.3%)

भारतीय वन सेवा के प्रशिक्षुओं ने किया आफरी का भ्रमण

जोधपुर | भारतीय वन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों के 2020-21 के बैच ने अनुसंधान संस्थान (आफरी) का भ्रमण कर वानिकी शोध की जानकारियां प्राप्त की। आफरी निदेशक एमआर बालोच ने आफरी एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के बारे में बताया। इस अवसर पर आफरी के समूह समन्वयक शोध डॉ. जी सिंह ने आफरी की विभिन्न शोध परियोजनाओं पर व्याख्यान दिया। आफरी के प्रभाग की प्रभागाध्यक्ष अनिता ने स्वागत किया।

भारतीय वन सेवा प्रशिक्षणार्थियों का आफरी दौरा

जोधपुर, 24 सितम्बर(कासं)। भारतीय वन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियो 2020-21 के बैच ने फैकल्टी डॉ. शिवबाला के नेतृत्व में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) का भ्रमण कर वानिकी शोध के बारे में जानकारियां प्राप्त की। निदेशक एम.आर.बालोच, ने उन्हें आफरी एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के बारे में विस्तार से बताया। बालोच ने परियोजनाओं के निर्माण एवं उनकी अंतिम स्वीकृति तथा लागू करने संबंधी विभिन्न स्तरों के बारे में जानकारी देते हुए शोध को अपने विभिन्न हितकारियों यथा वन विभाग, स्वयंसेवी संगठनों, किसानों आदि तक पहुंचाने हेतु किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। समूह समन्वयक डॉ. जी.सिंह ने आफरी की विभिन्न शोध परियोजनाओं पर व्याख्यान दिया। उन्होंने जल संरक्षण, सिल्वी कल्चर, आनुवांशिकी, वन संरक्षण आदि में किए कार्यों को विस्तार से बताया। विस्तार प्रभाग की अध्यक्ष अनिता ने प्रशिक्षार्थियों का स्वागत किया। प्रशिक्षार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान आफरी के वैज्ञानिकों डॉ. तरूणकांत, डॉ. महेश्वर हेगडे, डॉ. शिवानी भटनागर, डॉ. एन.के. बौहरा आदि ने किया।

वन सेवा के प्रशिक्षार्थियों ने किया आफरी का दौरा

विस्तार एक्सप्रेस

जोधपुर। भारतीय वन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों के 2020-21 के बैच ने फैकल्टी डॉ. शिवबाला के नेतृत्व में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) जोधपुर का भ्रमण कर वानिकी शोध के बारे में जानकारियां प्राप्त की। इस अवसर पर आफरी निदेशक एमआर बालोच ने आफरी एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के बारे में विस्तार से बताया। बालोच ने परियोजनाओं के निर्माण एवं उनकी अंतिम स्वीकृति तथा लागू करने सम्बन्धी विभिन्न स्तरों के बारे में जानकारी देते हुए आफरी द्वारा शोध को अपने विभिन्न हितकारियों यथा वन विभाग, स्वयंसेवी संगठनों, किसानों आदि तक पहुंचाने हेतु किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर आफरी के समूह समन्वयक (शोध) डॉ. जी. सिंह ने आफरी की विभिन्न शोध परियोजनाओं पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने जल संरक्षण, सिल्वीकल्चर, आनुवांशिकी, वन संरक्षण आदि में किए गए कार्यों को विस्तार से बताया। कार्यक्रम के आरम्भ में आफरी के विस्तार प्रभाग की प्रभागाध्यक्ष अनिता ने प्रशिक्षार्थियों का स्वागत करते हुए आफरी के विस्तार प्रभाग की गतिविधियों के बारे में बताया। इस अवसर पर प्रशिक्षार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान आफरी के वैज्ञानिकों डॉ. तरूणकान्त, डॉ. महेश्वर हेगडे, डॉ. शिवानी भटनागर, डॉ. एनके बोहरा आदि ने किया।